भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न संख्या: 76
गुरुवार, 24 जुलाई, 2025/2 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

महाराष्ट्र में आरसीएस-उड़ान योजना के अंतर्गत विमानपत्तन

***76. डॉ. कल्याण वैजीनाथराव कालेः**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2025-26 के दौरान क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान के अंतर्गत देश भर में राज्यवार कितने नए विमानपत्तन निर्माण हेतु प्रस्तावित हैं और उनका ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत महाराष्ट्र में विमानपत्तनों के निर्माण का विचार है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार का इस योजना के अगले चरण में महाराष्ट्र को शामिल करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्री (श्री किंजरापु राममोहन नायडू)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"महाराष्ट्र में आरसीएस-उड़ान योजना के अंतर्गत विमानपत्तन" के संबंध में डॉ. कल्याण वैजीनाथराव काले द्वारा पूछे गए दिनांक 24.07.2025 के लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 76 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): सरकार ने दिनांक 21.10.2016 को आरसीएस-उड़ान योजना शुरूआत की थी, जिसका उद्देश्य यात्रियों के लिए भारत के विभिन्न भागों तक पहुंच उपलब्ध कराने हेतु हवाई यात्रा को किफायती, सुविधाजनक और संधारणीय बनाकर आम जनता के लिए हवाई यात्रा सुलभ कराना है। यह योजना एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने में उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर रही है, जिससे नागर विमानन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है, रोजगार में वृद्धि हो रही है और देशभर में संतुलित क्षेत्रीय विकास हो रहा है।

'आरसीएस-उड़ान योजना' के प्रारंभ होने के पश्चात से, 637 आरसीएस मार्ग परिचालित हो गए हैं, जो देशभर में 15 हेलीपोर्टों और 2 वॉटर एयरोड्रोमों सहित 92 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों को जोड़ते हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत दिनांक 15 जुलाई, 2025 तक 153.59 लाख घरेलू यात्रियों ने 3.14 लाख से अधिक आरसीएस उड़ानों में यात्रा की है।

आरसीएस-उड़ान योजना के अंतर्गत चिह्नित हवाईअड्डों/हेलीपोर्टों/वॉटर एयरोड्रोमों का विकास और प्रचालन एक सतत प्रक्रिया है। वर्ष 2025-26 के दौरान देशभर में 10 एयरोड्रोमों के प्रचालनशील होने की आशा है। इन हवाईअड्डों का राज्य-वार विवरण अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

(ख) और (ग): महाराष्ट्र राज्य में, आरसीएस-उड़ान योजना के अंतर्गत अब तक सात हवाईअड्डों नामतः कोल्हापुर, जलगांव, नांदेड़, गोंदिया, नासिक, सिंधुदुर्ग और अमरावती को प्रचालनरत किया गया है। इस योजना के अंतर्गत शोलापुर हवाईअड्डे का विकास किया गया है और यहां से वाणिज्यिक उड़ान परिचालन आरंभ हो गया है। रत्नागिरी हवाईअड्डे को चिह्नित किया गया है और उड़ान योजना के अंतर्गत आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए राज्य सरकार द्वारा इसका विकास किया जा रहा है।

(घ): सरकार ने हाल ही में देशभर में 120 नए गंतव्यों तक क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए संशोधित उड़ान योजना को आरंभ करने की घोषणा की है। भविष्य में, यदि कोई एयरलाइन महाराष्ट्र को जोड़ने वाली आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए वैध बोली प्रस्तुत करती है, तो उस पर योजना के प्रावधानों के अनुसार विचार किया जाएगा।

अनुलग्नक

<u>वर्ष 2025-26 के दौरान प्रचालनशील होने वाले संभावित एयरोड्रोमों की सूची</u>

क्र. सं.	राज्य	हवाईअड्डा	स्वामी	कार्यान्वयन एजेंसी
1.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	कार निकोबार	आई.ए.एफ.	ए.ए.आई.
2.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	शिबपुर	आई.एन.एस.	ए.ए.आई.
3.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	कैम्पबेल बे	आई.एन.एस.	ए.ए.आई.
4.	बिहार	पूर्णिया	एस.जी.	ए.ए.आई.
5.	झारखंड	बोकारो	एस.ए.आई.एल.	ए.ए.आई.
6.	महाराष्ट्र	रत्नागिरि	आई.सी.जी.	एम.ए.डी.सी.
7.	ओडिशा	रंगेइलुंडा (बेरहामपुर)	एस.जी.	एस.जी.
8.	तमिलनाडु	नेवेली	एन.एल.सी.	ए.ए.आई.
9.	तमिलनाडु	वेल्लोर	ए.ए.आई.	ए.ए.आई.
10.	उत्तर प्रदेश	सहारनपुर (सरसावा)	आई.ए.एफ	ए.ए.आई.

******